कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति
CORPORATE ENVIRONMENT POLICY

अगस्त 2022

पर्यावरण एवं विविधता प्रबंधन विभाग
एनएचपीसी लिमिटेड, सेक्टर-33, फरीदाबाद

लद्दाख स्थित निम्मो-बाजगो पावर स्टेशन (45 मेगावाट) का दृश्य

ए. के. सिंह
A. K. Singh
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
Chairman and Managing Director

संदेश

हमलोग आज प्रकृति में जहाँ अपना अस्तित्व रखते हैं, वहाँ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना सबसे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक बन गया है, जिसे हमारे देश में केंद्रीय स्तर पर संज्ञान में लिया गया है। इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के सतत् विकास के आह्वान ने पर्यावरण संरक्षण में एक नया आयाम जोड़ा है। इस संदर्भ में सभी पर्यावरण कानून, पर्यावरण के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

एनएचपीसी लिमिटेड में हमने पर्यावरण संरक्षण को अपनी परंपरा के हिस्से के रूप में कंपनी के मिशन और विजन में शामिल किया है। प्रत्येक परियोजना के प्रारंभिक चरण से लेकर बाद के सभी चरणों के दौरान, इस समृद्ध परंपरा के साथ-साथ पर्यावरण विनियमों का भी सख्त अनुपालन किया जाता है। हमारी कंपनी में पर्यावरण विभाग की टीम, पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं और पर्यावरण मंजूरी में निर्धारित पर्यावरण सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन में हमेशा सहायक रही है।

मुझे कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 जारी करते हुए सुखद अनुभूति हो रही है। इस अवसर पर पर्यावरण विभाग की पूरी टीम को पर्यावरण संरक्षण, परिरक्षण और प्रबंधन के प्रति उनके निरंतर प्रयासों और प्रतिबद्धता के लिए मैं बधाई देता हूं।

मुझे विश्वास है कि कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, पर्यावरण संरक्षण के प्रति एनएचपीसी की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए हम सभी के लिए एक मार्गदर्शक साधन के रूप में कार्य करेगी।

(ए. के. सिंह)

ए. के. सिंह
A. K. Singh
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
Chairman and Managing Director

Message

Today; as we stand, natural resources conservation is one of the most important environmental challenges that has occupied the centre stage in our country. Therefore, call for sustainable development of natural resources has added a new dimension to Environmental Conservation. In this context, all environmental legislations are playing a key role in protection of environment.

We at NHPC Ltd. have made 'Environment Conservation' as part of our tradition by enshrining it in our company's Mission and Vision. Every project, from its early stages is aligned with this rich tradition along with strict compliances of Environmental Regulations during subsequent stages. The team of Environment Division across our company have been instrumental in implementation of environment safeguard measures stipulated in the Environment Management Plans and Clearances.

I am glad to release the Corporate Environment Policy, 2022. On this occasion, I congratulate the entire team of Environment Division for their continued efforts and commitment towards Environment Protection, Preservation and Management.

I am sure, the Corporate Environment Policy, while reemphasizing NHPC's commitment towards Environment Protection will act as a guiding tool for all of us.

(A. K. Singh)

वाई. के. चौबे
Y. K. Chaubey
निदेशक (तकनीकी)
Director (Technical)

संदेश

जलविद्युत परियोजनाएँ आम तौर पर देश के दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित होती हैं। परियोजना विकास की प्रगति के साथ यह क्षेत्र सर्वांगीण सामाजिक-आर्थिक उत्थान का साक्षी बन जाता है। देश भर में स्थित एनएचपीसी की परियोजनाएँ इस तथ्य की गवाही देती हैं कि, पर्यावरणीय विनियमों के अनुपालन के साथ व्यवस्थित तरीके से निर्मित जलविद्युत परियोजनाएँ पूरे क्षेत्र के सतत् विकास के लिए एक महत्वपूर्ण साधन हो सकती हैं।

जीवाश्म ईंधन के घटते भंडार से दुनिया को ऊर्जा के संभावित नवीकरणीय स्रोतों की तलाश के संकेत मिल रहे हैं। इस संदर्भ में, समाज और अर्थव्यवस्था के असंख्य लाभों के साथ जलविद्युत परियोजनाएँ मानव जाति को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि ऐसी परियोजनाओं को प्रासंगिक मानदंडों/ दिशानिर्देशों/ अधिनियमों के अनुरूप विकसित किया जाए।

परियोजनाओं/ पावर स्टेशनों के लिए पर्यावरण प्रभावी आंकलन और मिटिगेशन योजनाओं के कार्यान्वयन में हमारी कंपनी के पर्यावरण विभाग द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाया जा रहा है। मैं पर्यावरण विभाग की टीम को कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 तैयार करने के लिए बधाई देता हूँ। मुझे यकीन है कि यह नीति देश में निर्धारित मानदंडों/ दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए जलविद्युत विकास के सभी चरणों में हमारे कर्मचारियों को मार्गदर्शन करने में मदद करेगी।

इस कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 को प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

(वाई. के. चौबे)

वाई. के. चौबे
Y. K. Chaubey
निदेशक (तकनीकी)
Director (Technical)

Message

Hydro Power Projects are generally located in remote parts of the country. With the progress of development of the project, the region becomes witness to all round socio-economic upliftment in the area. The projects of NHPC located across the country bear testimony to the fact that, hydro projects when constructed in a systematic manner along with compliances of Environmental Regulations can be an important tool for Sustainable Development of the entire area.

Dwindling reserves of fossil fuels are alarming the world to look for possible renewable sources of energy. Hydro power projects with their myriads of benefits for society and economy, in this context, can play a crucial role for providing energy security to the mankind. Hence, it is important that such projects are developed in consonance with the relevant norms/ guidelines/ Acts.

The Environment Division of our Company has been playing a pivotal role in Environment Impact Assessment, and implementation of mitigatory Plans for projects and power stations. I congratulate the team of Environment Division for preparation of the Corporate Environment Policy, 2022. This Policy, I am sure will help our employees guiding them through all stages of hydro power development while strictly adhering to the norms and stipulated guidelines in the country.

It is my great pleasure to present this Corporate Environment Policy, 2022.

(Y. K. Chaubey)

वी. आर. श्रीवास्तव
V. R. Shrivastava
कार्यपालक निदेशक (पर्यावरण)
Executive Director (Environment)

संदेश

एनएचपीसी लिमिटेड सक्षम, जिम्मेदार और उन्नत मान्यताओं के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा के सतत् विकास के लिए एक वैश्विक अग्रणी संगठन बनने के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। बदलते समय में ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के कारण जलविद्युत विकास की तुलना में पर्यावरणीय एवं सामाजिक मुद्दों ने अत्यधिक महत्व ग्रहण कर लिया है।

एनएचपीसी ने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का सर्वदा निर्वहन किया है। अपनी परियोजनाओं/ पावर स्टेशनों के पर्यावरणीय प्रभावों की पहचान कर उन्हें कम करने के लिए एनएचपीसी पूरी तरह से प्रतिबद्ध रही है। वैज्ञानिक मूल्यांकन और नियामक अनुपालन आवश्यकताओं के साथ-साथ हितधारकों के परामर्श पर आधारित पर्यावरण प्रबंधन, एनएचपीसी की परियोजनाओं के निर्माण और संचालन गतिविधियों का अभिन्न अंग रहा है। निगम मुख्यालय में पदस्थापित पर्यावरण अधिकारियों की एक समर्पित टीम और परियोजनाओं/ पावर स्टेशनों/ क्षेत्रीय कार्यालयों में तैनात कर्मचारियों ने पर्यावरण प्रबंधन के इस प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति 2022, पर्यावरण, वन और वन्यजीव नियमों के प्रावधानों का अनुपालन करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देती है। कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 को तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले पर्यावरण एवं विविधता प्रबंधन विभाग, निगम मुख्यालय की टीम को मैं बधाई देता हूँ और एनएचपीसी प्रबंधन को इसके अनुमोदन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

यह नीति पर्यावरण संरक्षण और संधारण के मूल तथ्यों को समझने के साथ-साथ एनएचपीसी के उद्देश्यों के एकीकरण में हमारी सहायक कंपनियों और संयुक्त-उद्यम कंपनियों सहित हमारे सभी कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए मददगार सिद्ध होगी। मुझे विश्वास है कि यह नीति हमारे वर्तमान और भविष्य के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक साधन के रूप में कार्य करेगी।

(वी. आर. श्रीवास्तव)

वी. आर. श्रीवास्तव
V. R. Shrivastava
कार्यपालक निदेशक (पर्यावरण)
Executive Director (Environment)

Message

The vision of NHPC Ltd is to be a global leading organization for sustainable development of clean power through competent, responsible and innovative values. Of all these attributes, the focus on sustainability has become more pronounced in the present times, with the impact on environment becoming visible and manifested in global warming and extreme climatic events relatable to this phenomenon. Social and Environmental issues involved in development of any hydropower project have thus assumed enormous significance for a sustainable future of this industry.

NHPC has always been an environmentally responsible corporate citizen, being fully committed to identify and mitigate the environmental impacts of its projects and power stations. Environment Management strategy, based on scientific assessment and regulatory compliance requirements coupled with stakeholder consultation, is integral to NHPC's construction and operation activities in its projects and power stations. A dedicated cadre of specially qualified and trained Environment officers organised in the form of a separate vertical at corporate level and personnel posted at field units have been rendering an important role in this endeavour of environmental management.

Corporate Environment Policy 2022, reemphasizes the need for a holistic approach for Environment Conservation while complying with provisions of Environment, Forest and Wildlife regulations. I congratulate the team of Environment & Diversity Management Division, Corporate Office for their proactive role in preparation of Corporate Environment Policy, 2022 and express gratitude to NHPC management for its approval.

This Policy will be immensely helpful to all our employees and other stakeholders, including those in our Subsidiaries and Joint Venture Companies in understanding the core values of Environmental Conservation and sustainability as well as its integration with NHPC's objectives. I am certain that the Policy will act as an important guiding tool in our present and future endeavours.

(V. R. Shrivastava)

डॉ. आशीष कुमार दाश
Dr. A. K. Dash
महाप्रबंधक (पर्यावरण)
General Manager (Environment)

विषय-प्रवेश

विकासात्मक गतिविधियों के लिए पर्यावरण संबंधी सरोकार दुनिया भर में परिचर्चा के महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि एक स्थायी वातावरण बनाए रखने और लगातार आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए ऐसे मुद्दों को व्यापक तरीके से संबोधित करने की आवश्यकता है। विकासात्मक गतिविधियाँ जब भविष्य के प्रभावों पर विचार किए बिना किसी विशेष आवश्यकता से प्रेरित हों, तो वह समाज के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकती हैं। हम पहले से ही वैश्विक जलवायु परिवर्तन देख रहे हैं, जो ऊर्जा के जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों पर हमारी निर्भरता के परिणाम हैं। ऐसे में जलविद्युत परियोजनाएँ ही एक मात्र सार्थक विकल्प है, जो वर्तमान और भविष्य की विविध जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच एक आदर्श संतुलन बनाने में सक्षम है।

कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति का उद्देश्य ऊर्जा के पारंपरिक और गैर-पारंपरिक स्रोतों के सतत् विकास के लिए पर्यावरणीय प्रभावों को कम करना है। चूंकि, व्यावसायिक गतिविधियों में पर्यावरण संबंधी चिंताओं के प्रकटीकरण के लिए विकसित हो रहे मानदंडों के साथ तालमेल रखने के लिए, मौजूदा कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति पर पुनः विचार करना और संशोधित करना अनिवार्य था। फलस्वरूप, समाज के प्रति बदलते दृष्टिकोण, पर्यावरण और स्थिरता, विकसित नीति, कानून, नियम और विनियम पर विचार करते हुए यह कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 तैयार की गई है। कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति 2022 को निदेशक मंडल ने अपनी बैठक दिनांक 10.08.2022 में अनुमोदित किया है।

सेबी ने अपने परिपत्र दिनांक 10.05.2021 के माध्यम से सूचीबद्ध कंपनियों के लिए व्यावसायिक उत्तरदायित्व और संधारणीय रिपोर्टिंग (बीआरएसआर) के अंतर्गत पर्यावरण और अन्य मानदंडों के अनुपालन का प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया है। ऐसे परिदृश्य में, अनिवार्य शर्तों का अनुपालन और पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए यह कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 एक प्रेरक बल के रूप में कार्य करेगी। पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने और संगठन व परिवेश के सतत् विकास के योगदान में यह कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति एनएचपीसी की प्रतिबद्धता का वृतांत है।

इस अवसर पर, मैं एनएचपीसी प्रबंधन के प्रति उनके समर्थन और मार्गदर्शन और कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 के अनुमोदन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

(डॉ. आशीष कुमार दाश)

डॉ. आशीष कुमार दाश
Dr. A. K. Dash
महाप्रबंधक (पर्यावरण)
General Manager (Environment)

Foreword

Environmental concerns for developmental activities have become one of the important issues debated across the globe. There can no denying that in order to maintain sustainable environment and ensure consistent economic development such issues need to be addressed in a comprehensive manner. Developmental activities when driven by a particular need without considering future ramifications can be detrimental for the society. We are already witnessing global climate changes resulting from overdependence on fossil fuel-based sources of energy. Therefore, hydropower projects, which have all ingredients for meeting diverse needs of existing and future communities will go a long way in creating a perfect balance between development and environment conservation.

The Corporate Environment Policy (CEP) aims to address environmental concerns for sustainable development of conventional & non-conventional sources of energy. In order to keep pace with the evolving norms towards disclosures of environmental concern in business activities, it was imperative to relook and revise the exiting CEP. Also, considering the changing view of society towards; environment & sustainability, evolving policy, legislations, rules & regulations, the Corporate Environment Policy, 2022 has been formulated. The CEP, 2022 has been approved by the BOD in its meeting dated 10.08.2022.

SEBI vide its Circular dated 10.05.2021 has made mandatory for disclosure of compliance of Environmental and other norms under Business Responsibility and Sustainability Reporting (BRSR) for listed companies. In such a scenario, CEP, 2022 will act as a driving force for ensuring compliance of mandatory stipulations and effective implementation of environmental management plans across NHPC. CEP, 2022 is a statement of NHPC's commitment to fulfill its responsibility towards protection of environment and contribution to sustainable development of organization, people and the planet.

On this occasion, I express my gratitude towards NHPC management for their support and guidance and approval of CEP, 2022.

(Dr. A. K. Dash)

कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति

2022

सिक्किम स्थित रंगित पावर स्टेशन (60 मेगावाट) के पावर हाउस का दृश्य

विषय वस्तु

क्रम संख्या	सूचकांक	पृष्ठ संख्या
1.	प्रस्तावना	03
2.	परिचय	04
3.	उपादेयता	05
4.	उद्देश्य	05
5.	संगठनात्मक ढांचा	06
6.	हमारी नीति	08
7.	स्वैच्छिक पहल	09
8.	प्रदूषण कम करने के उपाय	11
9.	मूल्यांकन, आंकलन और रिपोर्टिंग	13
10.	हितधारकों के लिए संचार सुविधा	14
11.	जागरूकता और सामर्थ्य संवर्धन कार्यक्रम	15
12.	सहायक कंपनियों द्वारा अनुपालन	16
13.	कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति की समीक्षा	16

जम्मू और कश्मीर स्थित उरी-I पावर स्टेशन (480 मेगावाट) का दृश्य

1. प्रस्तावना

1.1. अपने स्थापना काल से ही एनएचपीसी, पर्यावरणीय दृष्टि से संधारणीय एवं सामाजिक-आर्थिक उत्तरदायी तरीके से जलविद्युत उत्पादन करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। एनएचपीसी का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों की न्यूनतम क्षति को ध्यान में रखकर उनका दोहन करना है। पर्यावरण पर पड़ने वाले अपरिहार्य प्रभावों को कम करने के लिए एनएचपीसी द्वारा विभिन्न प्रकार के संरक्षण उपाय किए जाते हैं।

1.2. एनएचपीसी की परिकल्पना पारंपरिक तथा गैर-पारंपरिक स्रोतों के माध्यम से विद्युत का संधारणीय विकास करने वाला विश्वस्तरीय, बहुविध एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठन बनना है।

1.3. पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी और परियोजना प्रभावित लोगों से संबंधित मुद्दे, कंपनी के प्रमुख मूल्यों में से एक है। एक संगठन के रूप में एनएचपीसी पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक विकास को समान महत्व देते हुए दीर्घावधि संधारणीय विकास में विश्वास रखती है।

1.4. एनएचपीसी की कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति का उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक प्रगति के न्याय संगत वृद्धि हेतु अपनी व्यापारिक गतिविधियों में पर्यावरण नैतिकता को संस्थागत करना है, ताकि सही अर्थों में संवहनीयता प्राप्त किया जा सके।

1.5. एनएचपीसी का नीति वृतांत

"एनएचपीसी लिमिटेड स्थानीय जन-समुदायों और हितधारकों की भागीदारी के साथ पर्यावरण सुरक्षा उपायों तथा निर्धारित कार्यप्रणालियों के अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध होकर स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा प्रदान करने हेतु सर्वदा प्रयासरत है।"

2. परिचय

2.1. एनएचपीसी लिमिटेड देश की सबसे बड़ी जलविद्युत निर्माता कम्पनी है, जिसका उद्देश्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से परियोजनाओं को सतत् विकास की अवधारणा के साथ निष्पादित और संचालित करना है; जिसके लिये प्राकृतिक संसाधनों के ईष्टतम उपयोग के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण महत्वपूर्ण है।

2.2. एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा पर्यावरण और समाज के प्रति उचित सरोकार रखते हुए एक सक्षम और मजबूत पहचान के साथ सर्वोत्तम पर्यावरणीय, सामाजिक एवं कॉर्पोरेट प्रशासन की सभी कार्यप्रणालियों को अपनाया गया है।

2.3. एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा मई, 2016 के अपने पहले के नीति दस्तावेज के स्थान पर अब कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 को अपनाया जा रहा है। इस नीति का उद्देश्य कार्रवाई योग्य ढांचा व मार्गदर्शन प्रदान करना है, क्योंकि एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा भारत में जलविद्युत तथा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा के विकास के लिए निर्धारित सभी पर्यावरणीय मानदंडों का सख्ती से पालन करते हुए प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करने का हर संभव प्रयास किया जाता है।

2.4. कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्वों को पूरा करने एवं संगठन, लोगों और पृथ्वी के सतत् विकास में योगदान देने के लिए एनएचपीसी की प्रतिबद्धता का वृतांत है।

2.5. एनएचपीसी के प्रमुख हितधारकों में कर्मचारी, शेयरधारक, परियोजना प्रभावित परिवार, स्थानीय जन-समुदाय, स्थानीय निकाय जैसे कि पंचायत, प्रखंड और जिला प्रशासन, राज्य के वन विभाग, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि शामिल हैं।

2.6. कार्पोरेट पर्यावरण नीति में निम्न बातों पर विशेष जोर दिया गया है:

2.6.1. परियोजनाओं/ गतिविधियों की पर्यावरणीय उपलब्धियों की रिपोर्टिंग एवं प्रकटीकरण में पारदर्शिता के अपेक्षित मानकों के साथ पर्यावरणीय एवं सामाजिक जिम्मेदारी से कारोबार करना। इससे सभी हितधारकों का भरोसा एवं विश्वास जीतने में मदद मिलेगी तथा सामाजिक एवं पर्यावरणीय संवहनीयता को बढ़ावा भी मिलेगा।

2.6.2. कंपनी के सभी कर्मचारियों एवं अन्य हितधारकों को पर्यावरणीय निष्पादन में सुधार करने के महत्व एवं सामाजिक और पर्यावरण की दृष्टि से संवहनीय तरीकों को अपनाने के प्रति संवेदनशील बनाना।

2.6.3. परियोजनाओं की योजना, निष्पादन और प्रचालन में पर्यावरणीय महत्व को समाहित करना।

2.6.4. एनएचपीसी की व्यावसायिक गतिविधियों से सीधे प्रभावित होने वाले प्रमुख हितधारकों की पर्यावरणीय और सामाजिक मुद्दों की पहचान करना।

3. उपादेयता

3.1. यह नीति, निगम के सभी परियोजनाओं, पावर स्टेशनों आदि में लागू होगी। एनएचपीसी लिमिटेड के प्रत्येक कार्मिक को नीति के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भागीदार बनाया जाएगा।

4. उद्देश्य

यह नीति निम्नलिखित उद्देश्यों पर आधारित है:

4.1. परियोजना के योजना और डिजाईन के प्रारंभिक चरणों की संकल्पना से ही पर्यावरण संरक्षण उपायों का लेखांकन करना, ताकि पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के लिए एक व्यापक नींव रखी जा सके।

4.2. परियोजनाओं के अन्वीक्षण, निर्माण एवं निर्माणोंपरांत चरणों के दौरान सर्वोत्तम पर्यावरण प्रबंधन पद्धतियों को अपनाना और पोषित करते रहना।

4.3. पर्यावरण, वन और वन्यजीव से संबंधित सभी प्रासंगिक अधिनियमों / दिशानिर्देशों / नीतियों का अनुपालन करना।

4.4. नई तकनीकों की मदद से निगरानी और मूल्यांकन करना।

4.5. कंपनी के प्रत्येक कर्मचारियों (मानव संसाधन) को पर्यावरण के प्रति जागरूक रख कर, पर्यावरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के स्तर को बढ़ाकर, उन्हें संपोषित करते रहना।

5. संगठनात्मक ढांचा

यह नीति अपने संगठनात्मक ढांचे में तीन स्तरीय संरचनाओं के लिए निर्धारित है:

5.1. **कॉर्पोरेट स्तरः** पर्यावरण मंजूरी, वन मंजूरी, वन्यजीव मंजूरी, भूमि अधिग्रहण, अनुसंधान और विकास कार्यों हेतु योजना तैयार करना, निगरानी करना और सहायता प्रदान करना; परियोजना निर्माण के पश्चात् पर्यावरण प्रभावी आंकलन अध्ययन करवाना; केंद्र सरकार की एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करना और जहाँ भी आवश्यक हो, वहाँ संशोधन के लिए सुधारात्मक उपायों का सुझाव देना।

5.2. **क्षेत्रीय स्तरः** पर्यावरण मंजूरी, वन मंजूरी, वन्यजीव मंजूरी और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में निर्धारित अनुपालन गतिविधि की निगरानी करना। राज्य सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यालय तथा निगम मुख्यालय के साथ समन्वय स्थापित करना। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं अन्य नियामक एजेंसियों द्वारा निर्धारित पर्यावरण प्रबंधन उपायों के सुचारू कार्यान्वयन में परियोजनाओं और पावर स्टेशनों को सहयोग करना।

5.3. **पावर स्टेशन/परियोजना स्तरः** संबंधित परियोजनाओं और पावर स्टेशनों के लिए पर्यावरण मंजूरी, वन मंजूरी, वन्यजीव मंजूरी और भूमि अधिग्रहण से संबंधित अनुमोदन प्राप्त करना; राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों और निगम मुख्यालय के साथ समन्वय स्थापित करना; राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/ प्रदूषण नियंत्रण समिति (जैसा भी प्रकरण प्रस्तुत हो) से समय-सीमा के भीतर परियोजना स्थापित करने के लिए सहमति (कंसेन्ट टू इस्टेब्लिश) और परियोजना संचालन के लिए सहमति (कंसेन्ट टू ऑपरेट) प्राप्त करना। पर्यावरण, वन और वन्यजीव मंजूरी में निर्धारित शर्तों/ उपायों का अनुपालन करना। पर्यावरण प्रबंधन के उपाय लागू करते समय स्थानीय जन-समुदायों की भावनाओं का उचित संज्ञान लेना। सभी स्थानीय हितधारकों जैसेः राज्य वन विभाग, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, प्रदूषण नियंत्रण समिति, जिला प्रशासन और अन्य स्थानीय/ शहरी निकाय, परियोजना प्रभावित परिवारों और स्थानीय जन-समुदायों के साथ नियमित विचार-विमर्श के उचित दस्तावेजी रिकॉर्ड, फोटो, वीडियो क्लिपिंग इत्यादि रखना।

पर्यावरण, वन और वन्यजीव अधिनियमों/ नियमों/ दिशानिर्देशों के किसी भी तरह के उल्लंघन से बचने हेतु उचित एहतियात बरतना। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की शर्तों के अनुपालन की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए पर्यावरण एवं विविधता प्रबंधन विभाग, निगम मुख्यालय के साथ-साथ पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालयों और किसी भी अन्य राज्य/ केंद्रीय नियामक प्राधिकरणों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित करते रहना। परियोजनाओं पर कार्यरत कर्मचारियों को जिला प्रशासन के परामर्श से परियोजना प्रभावित परिवारों के मुद्दों/ शिकायतों को निपटाने के लिए परियोजना प्रभावित परिवारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहना।

6. हमारी नीति

एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा इस नीति के माध्यम से अपनी संगठनात्मक प्रतिबद्धताओं और उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु हरसंभव प्रयास किए जाएँगे।

एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा –

6.1. अपनी रणनीति, व्यवसायिक विकास और निर्णय लेने की प्रक्रिया में युक्त आवश्यक विचारों द्वारा सक्रिय पर्यावरण एवं समाज केंद्रित दृष्टिकोण अपनाये जायेंगे।

6.2. अपनी कार्यप्रणालियों में विज्ञान और आधुनिक उन्नत तकनीकी का उपयोग करते हुए पर्यावरणीय प्रभावों की पहचान कर, उन्हें कम करने के प्रयास किए जायेंगे।

6.3. प्राकृतिक संसाधनों जैसे मिट्टी, पानी, ईंधन, निर्माण सामग्री आदि के कुशल और ईष्टतम उपयोग सुनिश्चित किए जायेंगे।

6.4. परियोजना घटकों के लिए सर्वोत्तम विकल्प का निर्णय लेते समय महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को उचित महत्व दिये जायेंगे।

6.5. योजना और डिजाईन के विभिन्न पहलुओं पर पर्यावरण हितैशी तरीके से कार्य किये जायेंगे, जिससे कि निर्धारित पर्यावरण मानकों/ दिशानिर्देशों/ मानदंडों के अनुपालन को यथासंभव सुगम बनाया जा सके।

6.6. पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार से पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करने के लिए अनुमोदित टीओआर (टर्म्स ऑफ रेफेरेंस) और सार्वजनिक जन सुनवाई (पब्लिक हियरिंग) से प्राप्त इनपुट के अनुसार सभी परियोजनाओं के ईआईए (पर्यावरण प्रभावी आंकलन) और ईएमपी (पर्यावरण प्रबंधन योजना) को तैयार किया जायेगा।

6.7. प्रचलित परियोजनाओं के संदर्भ में, जलमग्न क्षेत्र, भूमि उपयोग आदि में बढ़ोत्तरी के साथ (या बिना) स्थापित क्षमता में वृद्धि की आवश्यकता के मामले में, नये वन मंजूरी/ पर्यावरण मंजूरी की आवश्यकता होने पर, उन्हें मौजूदा मानदंडों के अनुसार प्राप्त किए जायेंगे।

6.8. परियोजना स्थापित करने के लिए सहमति (कंसेन्ट टू इस्टेब्लिश) या परियोजना संचालन के लिए सहमति (कंसेन्ट टू ऑपरेट) प्राप्त करने के लिये राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या प्रदूषण नियंत्रण समिति, जिससे भी संबंधित प्रकरण हो, सहमति प्राप्त करने के उपरांत ही परियोजना के संचालन कार्य आरम्भ किये जायेंगे।

6.9. पर्यावरण प्रबंधन योजना का कार्यान्वयन, पर्यावरण मंजूरी, वन मंजूरी, परियोजना स्थापित करने के लिए सहमति, वैधानिक (स्टेचुटरी) निकायों/ एजेंसियों को वार्षिक रिटर्न जमा करने और प्रस्तुत करने की अन्य वैधानिक आवश्यकताओं का अनुपालन आदि, संबंधित परियोजनाओं/ पावर स्टेशनों द्वारा सुनिश्चित किये जायेंगे।

6.10. पर्यावरण प्रबंधन योजना के अंतर्गत सहमत गतिविधियों के लिए उपयुक्त बजटीय प्रावधान तथा पर्यावरण मंजूरी, वन मंजूरी और वन्यजीव मंजूरी में निर्धारित अतिरिक्त शर्तों को, एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा परियोजना के डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) में उल्लेख किये जायेंगे।

6.11. मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर होने वाले विपरीत प्रभाव को कम करने के लिए, उनके प्रतिस्थापन के प्रयास करते समय जोखिम वाली सामग्रियों के उपयोग से बचने की दिशा में उचित ध्यान दिये जायेंगे।

6.12. कार्यान्वित पर्यावरण प्रभावी योजनाओं की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी, जिससे कि उनकी प्रभावकारिता का आंकलन किया जा सके और उपयुक्त उपचारात्मक उपाय यदि कोई हो, तो उसे पूर्व में ही निष्पादित किया जा सके।

7. स्वैच्छिक पहल

7.1. पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण के व्यापक हित में वैधानिक दायित्वों से परे भी अनूठे स्वैच्छिक पहल को अपनाने के लिए परियोजनाओं एवं पावर स्टेशनों को प्रोत्साहित किया जायेगा।

7.2. ऐसी स्वैच्छिक पहलों के लिए योजनाओं का निर्माण करते समय पर्यावरण मंजूरी और वन मंजूरी की शर्तों, स्वीकृत पर्यावरण प्रबंधन योजना तथा अन्य पहलों को ध्यान में रखा जायेगा, जिससे कि दोहराव या गतिविधि के अतिच्छादन से पूर्णतः बचा जा सके।

7.3. एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा प्रमुख क्षेत्रों में अपनी स्वैच्छिक पहल पर ध्यान केंद्रित करने के निम्नलिखित प्रयास किए जायेंगेः

7.3.1. जैव विविधता का संरक्षण करना।

7.3.2. कुशल अपशिष्ट निपटान प्रबंधन; ऊर्जा और जल संरक्षण के उपाय आदि करना।

7.3.3. बांध अथवा जल संग्रहण युक्त परियोजनाओं में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की माप करवाना, ऑडिट करवाना और उत्सर्जन में कमी करने हेतु प्रयास करना।

7.3.4. परियोजना क्षेत्र में और उसके आस-पास के क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण के लिए स्वदेशी ज्ञान का सदुपयोग करना।

7.3.5. दुर्लभ और लुप्तप्राय वनस्पत्तियों और जीवों का संरक्षण करना।

7.3.6. सांस्कृतिक और विरासत स्थलों तथा दर्शनीय स्थलों की सुरक्षा एवं संरक्षण करना।

7.3.7. पीएएफ (परियोजना प्रभावित परिवारों) के साथ-साथ परियोजना/पावर स्टेशन के आस-पास रहने वाले जन-समुदायों का सामाजिक व आर्थिक उत्थान करना।

7.4. परियोजना के निकटस्थ जन-समुदाय की भागीदारी को प्राथमिकता देकर स्वैच्छिक पहल के अंतर्गत सभी योजनाओं को लागू किया जायेगा।

8. प्रदूषण कम करने के उपाय

8.1. वायु प्रदूषण

8.1.1. परियोजना निर्माण गतिविधियों (ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग, लोडिंग, अनलोडिंग, परिवहन आदि) के दौरान उत्पन्न धूल को आवश्यक निवारक उपायों द्वारा नियोजित कर स्रोत पर ही नियंत्रित किए जायेंगे।

8.1.2. डम्पिंग स्थलों तक मलबे को ले जाने के दौरान धूल उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए विशेष प्रयास किए जायेंगे।

8.1.3. धूल के स्रोतों और उसके आस-पास के क्षेत्रों में पेड़ पौधे लगाकर वनस्पतिक आवरण के माध्यम से हरित पट्टी का निर्माण किये जायेंगे।

8.2. जल प्रदूषण

8.2.1. परियोजना निर्माण गतिविधियों के दौरान टनल से निकलने वाले अपशिष्ट जल को पास की जल धाराओं/ जल निकायों में पहुंचने से पहले उपयुक्त तरीके से अथवा सेटलमेंट चेम्बर के माध्यम से उपचारित किया जायेगा।

8.2.2. उपयुक्त तरीके से उपचार करने के पश्चात, जल निकायों के लिए अंतिम रूप से छोड़े गए जल को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुरूप होना सुनिश्चित किया जायेगा।

8.2.3. विभिन्न प्रायोजनों के लिए उपयोग में आने वाले तेल और ग्रीस का निपटारण कार्य उचित रूप से, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/ राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/ प्रदूषण नियंत्रण समिति के मानदंडों/ दिशानिर्देशों के अनुसार निष्पादित किये जायेंगे।

8.2.4. यह सुनिश्चित किया जायेगा कि, कहीं भी आस-पास के जलाशयों/ जल निकायों में मलबे का कोई रिसाव न हो।

8.3. ध्वनि प्रदूषण

8.3.1. जमीनी कंपन और संबद्ध गतिविधियों से निकलने वाली ध्वनि को कम करने के लिए उपयुक्त आधुनिक नियंत्रित ब्लास्टिंग तकनीकों का समावेश किया जायेगा।

8.3.2. मशीनरी, उपकरणों आदि को समय-समय पर उचित रखरखाव करके तथा प्रभावी तकनीकी माध्यम से ध्वनि प्रदूषण को कम करने हेतु हरसंभव प्रयास किए जायेंगे।

8.4. डंपिंग सामग्री का पुनर्वासः

8.4.1. परियोजना निर्माण गतिविधियों से उत्पन्न मलबे को केवल नियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुमोदित व निर्दिष्ट क्षेत्र में ही संग्रहित किए जायेंगे।

8.4.2. निर्दिष्ट क्षेत्र में मलबे की डंपिंग के बाद ढलानों की स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु समतल या उपयोगी आकार प्रदान कर, उनपर वृक्षारोपण किए जायेंगे।

8.4.3. डम्पिंग क्षेत्र में विशेषज्ञ एजेंसियों के सहयोग से विभिन्न वनस्पत्तियाँ अर्थात वृक्षों, झाड़ियों और जड़ी-बूटियों से उपयुक्त प्रजातियों के पौधों को लागू सुरक्षा उपायों के अनुसार लगाकर, वृक्षारोपण कार्य किये जायेंगे।

8.4.4. जहाँ तक संभव हो, ऐसे क्षेत्रों में बहु-प्रजाति पौधारोपण कार्य किए जायेंगे।

8.4.5. जल धाराओं/ नालों, जल निकायों के निकट के क्षेत्रों में जल धारण करने वाले पौधों की प्रजातियों को लगाने का प्रयास किए जायेंगे।

8.4.6. ऐसे डम्पिंग क्षेत्र यदि डाइवर्टेड वन भूमि पर अवस्थित हैं, तो उन्हें वृक्षारोपण गतिविधियों के पूरा होने के पश्चात, राज्य वन विभाग को वापस सौंप दिया जायेगा।

8.4.7. पर्याप्त इंजीनियरिंग पद्धतियों द्वारा मक डंपिंग क्षेत्र को संरक्षित कर, उनका उचित रूप से रखरखाव किया जायेगा, जिससे कि आस-पास के क्षेत्र में मलबे के प्रवाह को प्रभावी ढंग से रोका जा सके।

8.5. उत्खनन क्षेत्र का पुनरुद्धार

8.5.1. परियोजना निर्माण से जुड़े सभी उत्खनन क्षेत्रों को पर्यावरण सुरक्षा उपायों के अंतर्गत पुनः व्यवस्थित कर, उस क्षेत्र का पुनरुद्धार सुनिश्चित किया जायेगा।

8.5.2. पुनरुद्धारण क्षेत्र में वृक्षारोपण के लिए, जन-समुदायों और राज्य वन विभाग के परामर्श से, स्थानीय वनस्पत्ति प्रजातियों के चयन, उनकी विशेषता के अनुसार किए जायेंगे।

9. मूल्यांकन, आंकलन और रिपोर्टिंग

9.1. कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति के ढांचे के अंतर्गत कार्यान्वयन हेतु की गई गतिविधियों के मूल्यांकन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और अन्य नियामक प्राधिकरणों द्वारा दी गई शर्तों/ संबंधित निदेशक द्वारा अनुमोदित स्वैच्छिक पहल/ योजनाओं की उपलब्धि के लिए किसी भी अतिरिक्त लक्ष्य आदि के अनुरूप किए जायेंगे।

9.2. परियोजना के निर्माणोंपरांत प्रभावी आंकलन अध्ययन, परियोजना के चालू होने के पांच वर्ष बाद और पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं या अन्य योजनाओं (यदि कोई हो) के पूरा होने के बाद, अधिमानतः बाहरी एजेंसियों द्वारा कराए जायेंगे। पर्यावरणीय पहलों की सफलता या विफलता की डिग्री को मापने हेतु योजना के समय निर्धारित व सुनियोजित बेंचमार्क के साथ प्रभावी आंकलन का तुलनात्मक अध्ययन किया जायेगा।

9.3. स्वैच्छिक पहल के अंतर्गत की गई गतिविधियों के मूल्यांकन, समय-समय पर उनकी सफलता को मापने के लिए किए जायेंगे।

9.4. पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय/अन्य पर्यावरण और वन नियामक प्राधिकरणों की वैधानिक शर्तों का गैर-अनुपालन/उल्लंघन, यदि कोई हो, तो वे संबंधित निदेशक के माध्यम से निदेशक मंडल को सूचित किए जायेंगे।

10. हितधारकों के लिए संचार सुविधा

10.1. पर्यावरण नीति पत्रक, 'अनुलग्नक-I' के रूप में संलग्न है।

10.2. पर्यावरण नीति पत्रक, भारत सरकार की मौजूदा कार्य प्रणालियों और दिशानिर्देशों के अनुरूप एनएचपीसी की वेबसाइट पर प्रदर्शित किये जायेंगे।

10.3. एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा संरचित तरीके से कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति के अनुपालन के विषय में, सभी हितधारकों एवं जनसामान्य तक सूचना को संप्रेषित किया जायेगा।

सिक्किम स्थित तीस्ता-IV जलविद्युत परियोजना (520 मेगावाट) के लिए जन सुनवाई का दृश्य

10.4. पर्यावरण संबंधी पहलुओं पर छह मासिक अनुपालन रिपोर्ट, जो पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत किए जाते हैं, कंपनी की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किए जाते रहेंगे।

10.5. बाहरी हितधारकों की सुविधा के लिए एनएचपीसी की वार्षिक रिपोर्ट में कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति और अन्य पर्यावरण संबंधी गतिविधियों की जानकारी शामिल रहेंगे।

10.6. आवश्यकतानुसार परियोजना प्रभावित परिवारों, संसदीय समितियों, गैर-सरकारी संगठनों, स्थानीय जन-समुदायों इत्यादि जैसे हितधारकों के सलाहों/ विचारों का समावेश, एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा किए जायेंगे।

10.7. एक सूचीबद्ध कंपनी होने के नाते, एनएचपीसी द्वारा संस्थागत निवेशकों, विक्रेताओं, उधारदाताओं आदि के विचारों पर भी उचित ध्यान दिये जायेंगे।

11. जागरूकता और सामर्थ्य संवर्धन कार्यक्रम

11.1. निगम मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों, परियोजनाओं/ पावर स्टेशनों और एनएचपीसी लिमिटेड की सभी सहायक कंपनियों के स्तर पर सभी कर्मचारियों को प्रेरित करने हेतु तथा उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक रखने के लिए व्यापक और व्यवस्थित तरीके से विभिन्न गतिविधियों में संचालित किए जायेंगे। इन गतिविधियों में सूचना के आदान-प्रदान के लिए सेमिनार, कार्यशाला, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ जैसेः विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व पृथ्वी दिवस, समय-समय पर राज्य और केंद्र सरकार द्वारा प्रोत्साहित इसी प्रकार की गतिविधियाँ आदि शामिल किए जायेंगे।

11.2. पारिस्थितिकी, समाजशास्त्र, वन्यजीव, बागवानी, कृषि, वानिकी, पर्यावरण कानून आदि के विशेषज्ञों की सहायता या सेवा लेकर, विभिन्न स्तरों पर आवधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे, जिससे कि सभी कर्मचारियों के मध्य पर्यावरण और प्रकृति के प्रति उनका लगाव एवं निष्ठा की भावना बनी रहे।

12. सहायक कंपनियों द्वारा अनुपालन

12.1. एनएचपीसी लिमिटेड के सभी संयुक्त उद्यम, सहायक कंपनियों और पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनियों को उनकी उपयुक्तता के अनुसार इस नीति (कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022) को अपनाने हेतु सूचित किए जायेंगे।

13. कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति की समीक्षा

13.1. समय की प्रगति के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय परिदृश्य में भी परिवर्तन या बदलाव के तथ्य अंतर्निहित होते हैं, जिन्हें ध्यान में रखते हुए प्रत्येक पांच वर्ष में कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति की पुनः समीक्षा की जायेगी, जिससे एक निश्चित समय-अंतराल पर, उस समय के दृष्टिकोण के अनुसार, नीति में उपयुक्त संशोधन किये जा सके। इसके अलावा जलविद्युत परियोजनाओं के पर्यावरण और वन पहलुओं से संबंधित राष्ट्रीय मानदंडों/ दिशानिर्देशों/ अधिनियमों में यदि कोई बड़ा बदलाव होता है, तब भी इस नीति की पुनः समीक्षा कर, तद्नुरूप उचित संशोधन किए जायेंगे।

यह नीति अगस्त, 2022 से लागू होती है।

कृपया ध्यान दें:

कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति के हिंदी संस्करण में किसी भी अस्पष्टता के मामले में, अंग्रेजी संस्करण की व्याख्या मान्य होगी।

"अनुलग्नक - I"

कार्पोरेट पर्यावरण नीति

हमारा लक्ष्य

- ऊर्जा के पारंपरिक और गैर-पारंपरिक स्रोतों के संधारणीय विकास के लिए पर्यावरणीय एवं सामाजिक मामलों के संबद्ध चिंताओं को दूर करना।
- महत्वपूर्ण पर्यावरणीय प्रभावों वाली अपनी परिचालन संबंधी गतिविधियों को आँकने और उनकी निगरानी के लिए पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली स्थापित करना।

हमारी प्रतिबद्धताएँ

- परियोजनाओं की योजना, क्रियान्वयन और परिचालन में पर्यावरणीय विचारों को समाहित करना।
- पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभावों से निपटने के लिए "परिहार, लघुकरण, बचाव के उपाय एवं क्षतिपूर्ति" की नीति का पालन करना।
- उपयुक्त पर्यावरणीय कानूनों का पालन करना तथा सर्वोत्तम पर्यावरण कार्य प्रणालियों को अपनाना।
- अपनी गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना एवं पर्यावरणीय जोखिमों को कम करना।

हमारे प्रयास

- कर्मचारियों, ठेकेदारों और स्थानीय जन-समुदाय को पर्यावरण प्रतिबद्धताओं के बारे में अवगत कराना एवं उन्हें इसके समर्थन के लिए प्रेरित करना।
- प्राकृतिक संसाधनों का न्यूनतम उपयोग करना एवं उनकी सुरक्षा, संरक्षण और उत्थान के लिए योगदान देना।
- अपने व्यापार के संचालन और कार्यों में पर्यावरणीय निष्पादन का निर्वाह एवं निरंतर सुधार करना तथा अपनी वर्तमान और भविष्य की गतिविधियों के आलोक में पर्यावरण के सामाजिक दुष्प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से समय-समय पर अपनी पर्यावरण नीति की समीक्षा करना।

(ए. के. सिंह)
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

अगस्त 2022

Dam of Salal Power Station (690 MW), Jammu & Kashmir

CORPORATE ENVIRONMENT POLICY
2022

Power House of Dhauliganga Power Station (280 MW), Uttarakhand

CONTENTS

Sl. No.	Index	Page No.
1.	Preamble	23
2.	Introduction	24
3.	Applicability	25
4.	Objectives	25
5.	Organisational Framework	26
6.	Our Policy	27
7.	Voluntary Initiatives	29
8.	Measures to Mitigate Pollution	30
9.	Evaluation, Assessment and Reporting	32
10.	Communication to Stakeholders	33
11.	Awareness and Capacity Building Programme	34
12.	Applicability to Subsidiary Companies	34
13.	Review of Corporate Environment Policy	34
14.	Abbreviations	35

Dam of Indira Sagar Power Station (1000 MW), Madhya Pradesh

1. PREAMBLE

1.1. NHPC, since its inception, is committed to hydropower generation in environmentally sustainable and socio-economically responsive manner and aims for minimum disturbance and exploitation of natural resources and it undertakes various conservation measures to counter the inescapable impacts on environment.

1.2. The Vision of NHPC is to become a world class, diversified & transnational organization for sustainable development of hydropower through conventional and non-conventional sources.

1.3. Concern for environment & ecology and project affected people is one of the core values of the company. NHPC, as an organization, believes in long term sustainable development by giving equal importance to environmental, social and economic development.

1.4. NHPC's Corporate Environment Policy aims at institutionalizing environmental ethics in our business activities for equitable growth in terms of economic and social advancement for attaining sustainability in a true sense.

1.5. **NHPC's POLICY STATEMENT:**

"NHPC Limited strives to provide clean and green energy by committing to compliance of environmental safeguard measures, practices with involvement of local communities and stakeholders."

2. INTRODUCTION

2.1. NHPC Limited as one of the largest hydropower developer in the country with its mission to execute and operate projects through state-of-the-art technologies and optimum use of natural resources recognizes that protection and preservation of environment is crucial for sustainable development.

2.2. NHPC Limited subscribes to the practices of best Environmental, Social and Corporate Governance with a competent and strong identity having due concern towards environment and society.

2.3. NHPC Limited hereby adopts the Corporate Environment Policy, 2022 superseding its earlier policy document of May, 2016. The policy is intended to provide actionable framework-guidance as NHPC Limited endeavours to optimise use of natural resources through effective management while strictly abiding the prescribed environmental norms for development of hydropower and other renewable energy in India.

2.4. Corporate Environment Policy, 2022 is a statement of NHPC's commitment to fulfill its responsibility towards protection of environment and contributing to sustainable development of organization, people and the planet.

2.5. NHPC's key stakeholders include Employees, Shareholders, Project Affected Families, Local Communities, Local Bodies such as Panchayat, Block and District Administration, State Forest Deptt., State Pollution Control Board, etc.

2.6. The thrust of the CEP are given as under:

2.6.1. Conducting the business in an environmentally and

socially responsible manner with expected standards of transparency in reporting and disclosing the environmental performance of projects/ activities. This will help in winning the trust and confidence of all stakeholders and will promote social and environmental sustainability.

2.6.2. Sensitizing all employees and other stakeholders towards the importance of improving the environmental performance of the company and the need to adopt socially and environmentally sustainable methods.

2.6.3. Integrating environmental considerations into Planning, Execution and Operation of the Projects.

2.6.4. Addressing the environmental and social concerns of key stakeholders directly impacted by NHPC's business activities.

3. APPLICABILITY

3.1. This policy shall be applicable to all Projects, Power Stations etc. Each employee of NHPC Limited shall be made an esteemed partner in implementation of the policy.

4. OBJECTIVES

This policy is based on the following objectives:

4.1 Taking into account the environmental protection measures from the conceptualization stages of planning and design so as to lay a broad and comprehensive foundation for environment protection and preservation.

4.2. To adopt and nurture best environment management practices during investigation, construction and post-commissioning stages of the projects.

4.3. Compliance of all relevant Act(s)/ Guideline(s)/ Policy (ies) related to Environment, Forests and Wildlife.

4.4. Monitoring and evaluation with the help of new techniques.

4.5. Nurture each human resource of the company by continuously improving their awareness, helping to increase levels of commitment.

5. ORGANISATIONAL FRAMEWORK

This policy prescribes for three level structures in its organisational framework:

5.1. **Corporate Level -** Planning, monitoring & assistance in Environment Clearance, Forest Clearance, Wildlife Clearance, Land Acquisition, Research & Development works, Post Construction EIA Study, Coordination with Central Government agencies and suggesting corrective measures for improvement wherever required.

5.2. **Regional Level -** Monitoring of compliances stipulated in Environment, Forest, Wildlife Clearances and Land Acquisition process. Coordination with State Government, Regional Offices of MoEF&CC, GoI & Corporate Office. Assistance to Projects and Power Stations for smooth implementation of Environment Management Measures prescribed by MoEF&CC, SPCBs and other regulatory agencies.

5.3. **Power Station/ Project Level -** Obtaining of approvals related to Environment, Forest and Wildlife Clearances and Land Acquisition for respective projects & power stations, Coordination with State and Central Government agencies and Corporate Office, Obtaining

Consent to Establish (CTE) and Consent to Operate (CTO) within time limit as the case may be from SPCB/ PCC. Compliances of measures stipulated in Forest, Environment and Wildlife Clearances, taking due cognizance of the sentiments of local communities while undertaking Environment Management Measures, regular interaction with all local stakeholders e.g. State Forest Department, SPCB/ PCC, District Administration, other local/ urban bodies, PAFs and local communities, keeping proper documentary records, photographs, video clippings etc.

Taking due care so as to avoid any violation of Environment, Forest and Wildlife Acts/ Rules & Regulations/ Guidelines. Continuous coordination with Environment & Diversity Management Division at Corporate Office for reporting compliances of conditions of MoEF&CC, GoI, Regional Offices of MoEF&CC and any other State/ Central Regulatory Authorities. Project personnel should proactively engage with PAFs to settle issues/ grievances in consultation with District Administration.

6. OUR POLICY

NHPC Limited shall strive to achieve its organisational commitments and objectives through this policy. NHPC Limited shall -

6.1. Adopt a proactive environment and society centric approach as one of its essential consideration in strategy, business development and decision making process.

6.2. Identify and mitigate environmental impacts by using modern technological advancement in science and practices.

6.3. Ensure efficient and optimum use of natural resources like soil, water, fuel, construction materials etc.

6.4. Important societal issues will be given due weightage while deciding best alternative for project components.

6.5. Planning and design aspects shall be carried out in such a manner so as to facilitate compliance of stipulated environmental standards/ guidelines/ norms.

6.6. EIA & EMP of all projects shall be formulated as per the approved ToR and inputs from public consultation for obtaining Environment Clearance from MoEF&CC, GoI.

6.7. In case of existing projects, requiring enhancement of installed capacities with or without increase in submergence area, land use etc., fresh Forest/ Environment Clearance will be required to be sought as per the existing norms.

6.8. The projects shall be operated after obtaining Consent to Establish/ Consent to Operate from SPCB/ PCC as the case may be.

6.9. The implementation of EMP, compliances of other Statutory requirements of Environment Clearance, Forest Clearance, Consent to Establish, Consent to Operate and submission of annual returns to Statutory Bodies/ Agencies are to be ensured by respective Projects/ Power Stations.

6.10. Suitable budgetary provisions for agreed activities under EMPs and additional conditions stipulated in Environment, Forest and Wildlife Clearances will be made by NHPC Limited in the DPR.

6.11. Due focus will be given towards avoidance of use of hazardous materials while making efforts for their

substitutions so as to minimise the impact on human health and environment.

6.12. Implemented EMPs shall be periodically reviewed for assessing their efficacy and taking suitable remedial measures if any, beforehand.

7. VOLUNTARY INITIATIVES

7.1. Power Stations & Projects will be encouraged to take up unique Voluntary Initiatives beyond statutory obligations in the larger interest of environment protection and welfare of society in general.

7.2. Formulation of plans for such Voluntary Initiatives will be done keeping in view of the Environment & Forest clearance conditions, approved EMPs or other initiatives taken to avoid overlapping/ duplicacy of the works/ initiatives.

7.3. NHPC Limited will endeavour to concentrate its voluntary initiatives in the following thrust areas:

7.3.1. Conservation of Biodiversity.

7.3.2. Efficient waste disposal management, measures for energy and water conservation etc.

7.3.3. Measurements, audit and reduction in Green House Gas emissions (in projects having storage/ pondage).

7.3.4. Utilization of indigenous knowledge for environmental protection and biodiversity conservation in and around the project area.

7.3.5. Protection of rare and endangered flora & fauna.

7.3.6. Protection and preservation of cultural and heritage sites and scenic spots.

7.3.7. Socio-economic upliftment of PAFs as well as people living in the vicinity of the Project/ Power Station.

7.4. Schemes under voluntary initiatives shall be implemented preferably with public/ community participation.

8. MEASURES TO MITIGATE POLLUTION

8.1. Air Pollution

8.1.1. Dust generated during construction activities (drilling, blasting, loading, unloading, transportation etc.) is required to be controlled at the source by employing necessary preventive measures.

8.1.2. Special efforts to be made to control dust emission during transportation of muck to the dumping sites.

8.1.3. Greenbelt by way of increasing vegetation cover is to be created in and around the sources of dust.

8.2. Water Pollution

8.2.1. Waste water discharge from tunnels during construction activities is required to be suitably treated/ passed through settlement chambers before allowing them to reach nearby streams/ water bodies.

8.2.2. The final discharged water should confirm to the norms of CPCB for such matter.

8.2.3. Oil and grease utilized for different purposes shall be properly disposed of as per norms/ guidelines of CPCB/ SPCB/ PCC.

8.2.4. Taking utmost care for ensuring no spillage of muck/ debris into adjoining water bodies.

8.3. Noise Pollution

8.3.1. Suitable modern control blasting techniques shall be followed to minimize ground vibration and noise emitting from associated activities.

8.3.2. All out efforts to be undertaken to minimize noise pollution through effective and timely maintenance of machinery, equipment etc.

8.4. Rehabilitation of dumping materials

8.4.1. The muck generated from construction activities are to be stored only on designated area approved/ permitted by regulatory authorities.

8.4.2. Slopes after dumping on such areas are to be suitably labelled/ terraced for effecting stability and subsequent plantation.

8.4.3. Plantation on such areas are to be undertaken in collaboration with expert agencies as per the applicable safeguard measures by planting suitable species from different vegetation layers i.e. trees, shrubs and herbs.

8.4.4. As far as possible poly-species plantation on such areas is to be undertaken.

8.4.5. Efforts to be made to use water retaining plant species on the areas nearer towards streams/ nallas, water bodies.

8.4.6. Such dumping areas if located on diverted forest land to be handed over back to the State Forest Department after completion of plantation activities.

8.4.7. Proper care is to be taken so that the muck dumping area is properly protected by adequate engineering methods so that the overflow of material into adjoining area is effectively prevented.

8.5. Reclamation of excavated area

8.5.1. All such excavated areas in the project are to be properly reclaimed as part of environment safeguard measures.

8.5.2. Selection of species for plantation shall be done in consultation with local communities and state forest department respecting their knowledge of local species and expertise.

9. EVALUATION, ASSESMENT AND REPORTING

9.1. The activities undertaken for implementation under the framework of CEP shall be evaluated as per the conditions given by MoEF&CC and other regulatory authorities/ any additional target approved by concerned Director for achievement of Voluntary Initiatives/ schemes.

9.2. Post-Construction Environment Impact Assessment studies will be undertaken, preferably by external agencies, five years after commissioning of the project and completion of EMPs and other schemes, if any. The impact will be assessed and compared against the planned benchmarks fixed at the time of planning to gauge the degree of success of the Environmental initiatives/ measures.

9.3. Assessment of the activities carried out under Voluntary Initiative may be periodically evaluated to measure their success.

9.4. Non-compliance/ violations of statutory conditions of MoEF&CC/ other Environment & Forest Acts and Guidelines, if any, shall be reported to the concerned Director.

10. COMMUNICATION TO STAKEHOLDERS

10.1. The Environment Policy Statement is placed at 'Annexure-I'.

10.2. This Environment Policy Statement shall be displayed on NHPC's website in line with the existing practices and guidelines of GoI.

10.3. NHPC Limited shall communicate information on compliance of its CEP in a structured manner to all its stakeholders and the public at large.

10.4. Six Monthly Compliance Reports on Environmental aspects being submitted to MoEF&CC, GoI shall be displayed on company's website.

10.5. Annual Report will incorporate information on CEP and other environment related activities for benefit of external stakeholders.

10.6. NHPC Limited will examine and incorporate views/ suggestions of its stakeholders like PAFs, Parliamentary Committees, NGOs, local communities etc. as and when required.

10.7. Being a listed company, it shall also give due consideration to the observation of institutional investors, vendors, lenders etc.

Glimpses of Annual General Meeting with Stakeholders at NHPC Corporate Office, Faridabad

11. AWARENESS AND CAPACITY BUILDING PROGRAMME

11.1. Comprehensive and systematic activities shall be undertaken at all levels i.e. Corporate Office, Regional Offices, Projects & Power Stations, Liaison Office of NHPC Limited to generate awareness and motivate human resource for preservation and improvement of environment through exchange and communication of information, seminars, workshops, celebration of important National and International activities like World Environment Day, World Earth Day, such activities promoted by State and Central Government from time to time etc.

11.2. Periodic training programmes are to be organised at various levels involving experts from the disciplines of ecology, sociology, wildlife, horticulture, agriculture, forestry, environmental law etc. to inculcate and instil sense of affection and loyalty towards environment and Mother Nature amongst all employees.

12. APPLICABILITY TO SUBSIDIARY COMPANIES

12.1. The Corporate Environment Policy, 2022 will be communicated to all JVs, Subsidiary (ies) and wholly owned Company (ies) of NHPC Limited for adoption of this policy as per their suitability.

13. REVIEW OF CORPORATE ENVIRONMENT POLICY

13.1. Given the fact that social, economic and environmental scenario has inherent ingredients for change along with progress of time, this Corporate Environment Policy, 2022 shall be reviewed in every five years to incorporate suitable modifications. However, in case of any major changes in National Norms/ Guidelines/ Acts concerning environment and forest aspects of

hydropower and renewable energy before five years from this date; this policy will be reviewed and revised.

This policy has come in force from August, 2022.

14. ABBREVIATIONS

CPCB	:	Central Pollution Control Board
EIA	:	Environment Impact Assessment
EMP	:	Environment Management Plan
GoI	:	Government of India
MoEF&CC	:	Ministry of Environment, Forest and Climate Change
NGO	:	Non-Governmental Organisation
PAF	:	Project Affected Family
PCC	:	Pollution Control Committee
PWD	:	Public Works Department
SPCB	:	State Pollution Control Board
ToR	:	Terms of Reference
DPR	:	Detailed Project Report
CEP	:	Corporate Environment Policy
PS	:	Power Station
HEP	:	Hydro Electric Project

Downstream of TLD-III Power Station (132 MW), West Bengal

Plantation along the Power Channel at Loktak Power Station (105 MW), Manipur

"Annexure-I"

CORPORATE ENVIRONMENT POLICY

OUR AIM

- To address the environmental & social concerns for sustainable development of conventional & non-conventional sources of energy.
- To establish an environmental management system to measure and monitor our operational activities with significant environmental impact.

OUR COMMITMENTS

- To integrate environmental considerations into the planning, execution and operation of the projects.
- To follow avoid, minimize, mitigate and compensate policy in dealing with environmental and social impacts.
- To comply with applicable environmental legislation and to adopt best environmental practices.
- To prevent pollution and mitigate environmental risks from our activities.

OUR ENDEAVOUR

- To communicate environmental commitments to employees, contractors and host communities and motivate them to support it.
- To make bare minimum utilization of natural resources and contribute to its protection, conservation and regeneration.
- To maintain and continually improve environmental performance in our business operations & actions and to minimize the social impacts by periodically reviewing our environmental policy in light of our current and future activities.

(A. K. Singh)
Chairman & Managing Director

August 2022

Restoration of dumping site at Parbati-II HEP (800 MW), Himachal Pradesh

Orchid Propagation Unit at Tippi (Arunachal Pradesh) established under EMP of Subansiri Lower HEP (2000 MW), Arunachal Pradesh

मध्यप्रदेश स्थित ओंकारेश्वर
पावर स्टेशन (520 मेगावाट)
के बाँध का दृश्य

तमिलनाडु स्थित सौर
ऊर्जा पावर स्टेशन (50 मेगावाट)
के सोलर मोड्यूल का दृश्य

राजस्थान स्थित जैसलमर
पवन ऊर्जा पावर स्टेशन (50 मेगावाट)
के पवन चक्की का दृश्य

एनएचपीसी लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)

निगम मुख्यालय

एनएचपीसी परिसर, सेक्टर-33, फरीदाबाद -121003 (हरियाणा)

CIN: L40101HR1975GOI032564

वेबसाइट: www.nhpcindia.com

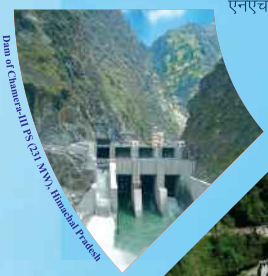

Dam of Chamera-III PS (231 MW), Himachal Pradesh

Dam of Teesta-V PS (510 MW), Sikkim

Barrage of Loktak PS (105 MW), Manipur

Dam of Nimmo-Bazgo PS (45 MW), Ladakh

कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति

हमारा लक्ष्य

- ऊर्जा के पारंपरिक और गैर–पारंपरिक स्रोतों के संधारणीय विकास के लिए पर्यावरणीय एवं सामाजिक मामलों के संबद्ध चिंताओं को दूर करना।
- महत्वपूर्ण पर्यावरणीय प्रभावों वाली अपनी परिचालन संबंधी गतिविधियों को आँकने और उनकी निगरानी के लिए पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली स्थापित करना।

हमारी प्रतिबद्धताएँ

- परियोजनाओं की योजना, क्रियान्वयन और परिचालन में पर्यावरणीय विचारों को समाहित करना।
- पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभावों से निपटने के लिए "परिहार, लघुकरण, बचाव के उपाय एवं क्षतिपूर्ति" की नीति का पालन करना।
- उपयुक्त पर्यावरणीय कानूनों का पालन करना तथा सर्वोत्तम पर्यावरण कार्य प्रणालियों को अपनाना।
- अपनी गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना एवं पर्यावरणीय जोखिमों को कम करना।

हमारे प्रयास

- कर्मचारियों, ठेकेदारों और स्थानीय जन–समुदाय को पर्यावरण प्रतिबद्धताओं के बारे में अवगत कराना एवं उन्हें इसके समर्थन के लिए प्रेरित करना।
- प्राकृतिक संसाधनों का न्यूनतम उपयोग करना एवं उनकी सुरक्षा, संरक्षण और उत्थान के लिए योगदान देना।

  अपने व्यापार के संचालन और कार्यों में पर्यावरणीय निष्पादन का निर्वाह एवं निरंतर सुधार करना तथा अपनी वर्तमान और भविष्य की गतिविधियों के आलोक में पर्यावरण के सामाजिक दुष्प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से समय–समय पर अपनी पर्यावरण नीति की समीक्षा करना।

(ए. के. सिंह)
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

अगस्त 2022

CORPORATE ENVIRONMENT POLICY

OUR AIM

- To address the environmental & social concerns for sustainable development of conventional & non-conventional sources of energy.
- To establish an environmental management system to measure and monitor our operational activities with significant environmental impact.

OUR COMMITMENTS

- To integrate environmental considerations into the planning, execution and operation of the projects.
- To follow avoid, minimize, mitigate and compensate policy in dealing with environmental and social impacts.
- To comply with applicable environmental legislation and to adopt best environmental practices.
- To prevent pollution and mitigate environmental risks from our activities.

OUR ENDEAVOUR

- To communicate environmental commitments to employees, contractors and host communities and motivate them to support it.
- To make bare minimum utilization of natural resources and contribute to its protection, conservation and regeneration.
- To maintain and continually improve environmental performance in our business operations & actions and to minimize the social impacts by periodically reviewing our environmental policy in light of our current and future activities.

(A. K. Singh)
Chairman & Managing Director

August 2022